सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 'खूनी वैशाखी' के पुर्नमंचन की तैयारी

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज द्वारा 25 वर्ष पूर्व तैयार नाटक **'खूनी वैशाखी'** के पुनर्मंचन की तैयारी की जा रही है।

यह नाटक जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 1994 मे केन्द्र द्वारा प्रयाग एवं देश के महत्वपूर्ण शहरों मे मंचित हुआ। इस नाटक का आलेख भीष्म साहनी का था तथा इसमे नानक सिंह की पंजाबी कविताओं को जोड़कर मंचीय प्रस्तुति हेतु तैयारी किया गया था।

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड आजादी के संघर्ष की एक ऐसी गाथा है, जिसने स्वतन्त्रता आंदोलन को एक नया मोड़ दिया और पूरा देश आजादी की जंग मे कूद पड़ा। इस नाटक का निर्देशन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक मंजुल किशोर वर्मा कर रहे है ।